परीक्षक के लिए निर्देश :–

1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठों में करें ।

2 सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जायें ।

व्याकरणाचार्य – द्वितीय वर्ष

पंचम पत्र : प्राचीन व्याकरण

पूर्णांक
रेगुलर – 80
प्राईवेट – 100

काशिका 1–4

80 (100)

परीक्षक के लिए निर्देश :–

1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठों में करें ।

2 सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जायें ।

षष्ठ पत्र : प्राचीन व्याकरण

पूर्णांक
रेगुलर – 80
प्राईवेट – 100

काशिका 5–6

80 (100)

परीक्षक के लिए निर्देश :–

1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठों में करें ।

2 सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जायें ।

सप्तम पत्र : निबन्ध तथा व्युत्पत्ति

पूर्णांक
रेगुलर – 80
प्राईवेट – 100

1 निबन्ध व्याकरण विषय 40 (60) अंक
2 वाक्यपदीय–ब्रह्मकाण्ड 20 (20) अंक
3 व्युत्पत्ति ,व्याकरण विषय 20 (20) अंक

अष्टम पत्र : व्याकरण इतिहास तथा उणादिगण

पूर्णांक
रेगुलर – 80
प्राईवेट – 100

1 व्याकरण शास्त्र का इतिहास 40(60) अंक
2 उणादिगण पाठ 40(40) अंक

परीक्षक के लिए निर्देश :–

1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठों में करें ।

2 सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जायें ।

दर्शनाचार्य – प्रथम वर्ष

प्रथम पत्र : न्यायदर्शन

पूर्णांक
रेगुलर – 80

प्राईवेट – 100

न्यायसूत्र–वात्स्यायन भाष्य सहित

80 (100)

परीक्षक के लिए निर्देश :–

1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठों में करें ।

2 सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जायें ।

द्वितीय पत्र : वैशेषिक दर्शन

पूर्णांक
रेगुलर – 80
प्राईवेट – 100

वैशेषिक दर्शन–उपस्कार सहित

80 (100)

परीक्षक के लिए निर्देश :–

1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठों में करें ।

2 सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जायें ।

तृतीय पत्र : सांख्य तथा प्रत्यभिज्ञान–दर्शन

पूर्णांक
रेगुलर – 80
प्राईवेट – 100

सांख्यदर्शन :विज्ञान–भिक्षु अथवा उदयवीर शास्त्रीकृत विद्योदय भाष्य सहित 50(70) अंक

1 ईश्वर प्रत्याभिज्ञाकारिका,उत्पलदेव कृत 30(30) अंक

परीक्षक के लिए निर्देश :–

1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठों में करें ।

2 सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जायें ।

चतुर्थ पत्र : योगदर्शन

पूर्णांक
रेगुलर – 80
प्राईवेट – 100

योगदर्शन : व्यास भाष्य सहित

80 (100)

परीक्षक के लिए निर्देश :–

1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठों में करें ।

2 सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जायें ।